राष्ट्रीय आंदोलन का संगठन

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» राष्ट्रवाद का उदय - भारत का मतलब और संप्रभुता

» ब्रिटिश शासन के प्रति असंतोष - Arms Act, Vernacular Press Act और Ilbert Bill

» भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना (1885)

» उभरता हुआ राष्ट्र - मध्यमार्गी कांग्रेस की माँगें

» स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है - आमूल परिवर्तनवादी

» बंगाल विभाजन और स्वदेशी आंदोलन (1905)

» मुस्लिम लीग, कांग्रेस विभाजन और लखनऊ समझौता

» जनराष्ट्रवाद का उदय और महात्मा गांधी का आगमन

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. 'भारत का मतलब यहाँ की जनता है' – इस विचार से अंग्रेज़ी शासन के खिलाफ कौनसा निष्कर्ष निकला? अपने शब्दों में लिखो.

› पहले विचार: देश = यहां रहने वाले सब लोगों का घर; संसाधन उनके लिए

› फिर एहसास: अंग्रेज़ संसाधनों और ज़िंदगी पर कब्ज़ा किए हुए हैं

› निष्कर्ष: जब तक नियंत्रण खत्म नहीं होता, भारत भारतीयों का नहीं हो सकता; लोगों को अपने मामलों में फैसले लेने की आज़ादी चाहिए (संप्रभुता)

उत्तर – अगर भारत जनता का है, तो अंग्रेज़ी नियंत्रण खत्म होना चाहिए – तभी देश सच में भारतीयों का होगा; इसलिए लोगों को अपने मामलों में स्वतंत्र फैसले (संप्रभुता) चाहिए.

उदाहरण 2. इल्बर्ट बिल क्या था? उसे वापस लेने से भारतीयों को अंग्रेज़ों के रवैये के बारे में क्या समझ आया?

› इल्बर्ट बिल: भारतीय न्यायाधीश भी ब्रिटिश/यूरोपीय पर ट्रायल चला सकें – समानता के लिए

› अंग्रेज़ों ने ज़ोर-शोर से विरोध किया; सरकार ने बिल वापस ले लिया

› निष्कर्ष: अंग्रेज़ असलियत में भारतीयों के साथ बराबरी नहीं चाहते थे – यह उनका असली रवैया था

उत्तर – इल्बर्ट बिल भारतीय न्यायाधीशों को यूरोपियनों पर ट्रायल चलाने का अधिकार देना चाहता था; अंग्रेज़ी विरोध पर वापस लेने से भारतीयों को नस्लीय दोहरा मापदंड समझ आ गया.

उदाहरण 3. बदरुद्दीन तैयबजी (1887) ने कांग्रेस के बारे में क्या कहा? इससे शुरुआती कांग्रेस का कौनसा चरित्र दिखता है?

› तैयबजी: कांग्रेस किसी एक वर्ग/समुदाय के प्रतिनिधियों से नहीं बनी

› यह भारत के सभी समुदायों की संस्था है

› चरित्र: ऑल-कम्युनिटी / ऑल-इंडिया दावा – सिर्फ एक क्षेत्र या धर्म की पार्टी नहीं

उत्तर – तैयबजी ने कहा कांग्रेस सभी समुदायों की संस्था है – शुरुआती कांग्रेस ऑल-इंडिया, बहु-सामुदायिक प्रतिनिधित्व का संकल्प दिखाती है.

उदाहरण 4. शुरुआती कांग्रेस की तीन राजनैतिक और तीन आर्थिक मांगें लिखो. उनका तरीका क्या था?

› राजनैतिक: काउंसिल्स में ज़्यादा भारतीय; काउंसिल्स को ज़्यादा अधिकार; भारत में सिविल सर्विस एग्ज़ाम / ऊंचे पदों का भारतीयकरण; न्यायपालिका-कार्यपालिका अलग करना; आर्म्स एक्ट निरस्त; बोलने की स्वतंत्रता

› आर्थिक: लगान कम करना; फौजी खर्च में कटौती; ज़्यादा सिंचाई अनुदान; साथ ही नमक कर, बंधुआ मज़दूरी का बर्ताव, वन प्रशासन के मुद्दे

› तरीका: अखबार, लेख, भाषण, प्रतिनिधि भेजना – सरकार को समझाना (याचिका राजनीति), यह विश्वास कि अंग्रेज़ न्याय का सम्मान करते हैं

उत्तर – राजनैतिक: काउंसिल्स, भारतीयकरण/सिविल सर्विस भारत में, अधिकार/स्वतंत्रता; आर्थिक: कम लगान, फौजी खर्च कटौती, सिंचाई; तरीका: याचिका/जनमत – अभी जनविद्रोह नहीं.

उदाहरण 5. मध्यमार्गी और आमूल-परिवर्तनवादी नेतृत्व में तीन अंतर लिखो.

› उद्देश्य/रवैया: मॉडरेट्स न्याय के लिए निवेदन; एक्सट्रीमिस्ट्स स्वराज के लिए संघर्ष + अपनी ताकत

› तरीका: मॉडरेट्स अखबार/भाषण/याचिका; एक्सट्रीमिस्ट्स आत्मनिर्भरता, रचनात्मक काम, बाद में बहिष्कार/लामबंदी (स्वदेशी संदर्भ)

› नेता/क्षेत्र: मॉडरेट्स शुरुआती कांग्रेस नेतृत्व; एक्सट्रीमिस्ट्स – पाल (बंगाल), तिलक (महाराष्ट्र), लाजपत राय (पंजाब)

उत्तर – मॉडरेट्स = याचिका + अंग्रेज़ी न्याय पर भरोसा; एक्सट्रीमिस्ट्स = आत्मनिर्भरता + स्वराज जन्मसिद्ध अधिकार के रूप में; मुख्य नेता पंजाब-महाराष्ट्र-बंगाल में लाल-बाल-पाल.

उदाहरण 6. अंग्रेज़ों ने बंगाल विभाजन के लिए 'प्रशासनिक सुविधा' कहा. NCERT के अनुसार इसके पीछे असली उद्देश्य क्या हो सकते थे?

› आधिकारिक दावा: विशाल बंगाल (बिहार-ओडिशा के हिस्सों सहित) के लिए प्रशासनिक सुविधा

› गैर-बंगाली इलाकों को साफ तौर पर अलग करने की बजाय पूर्वी हिस्सों को असम में मिलाया गया

› संभावित उद्देश्य: बंगाली राजनैतिक प्रभाव पर अंकुश; बंगाली लोगों को बांटना – फायदा अंग्रेज़ अफसरों/व्यापारियों से जुड़ा

उत्तर – सुविधा मुख्यतः अंग्रेज़ अफसरों/व्यापारियों के फायदे से जुड़ी थी; पूर्वी बंगाल अलग करके बंगाली नेतृत्व और जनता को कमज़ोर/बांटना असली उद्देश्य रहा होगा.

उदाहरण 7. 1907 में कांग्रेस क्यों टूटी? 1916 लखनऊ समझौते में क्या फैसला हुआ?

› विभाजन का कारण: मॉडरेट्स बहिष्कार राजनीति के खिलाफ थे – उन्हें लगता था इसके लिए बल/हिंसा की ज़रूरत पड़ती है जो गलत है; विभाजन के बाद कांग्रेस पर मॉडरेट्स का दबदबा, तिलक के अनुयायी बाहर से काम करते रहे

› 1915: दोनों खेमे फिर एक हुए

› 1916 लखनऊ समझौता: कांग्रेस + मुस्लिम लीग ने देश में प्रतिनिधिक सरकार के लिए मिलकर काम करने पर सहमति दी

उत्तर – 1907 विभाजन बहिष्कार के तरीकों पर हुआ; 1916 लखनऊ समझौता = कांग्रेस-लीग का प्रतिनिधिक सरकार के लिए साझा काम.

उदाहरण 8. पहले विश्व युद्ध ने भारतीय राष्ट्रवाद को जनांदोलन बनाने में कैसे मदद की? तीन पॉइंट लिखो. गांधी के भारत आने के बाद के तीन शुरुआती कदम भी लिखो.

› आर्थिक: ऊंचे टैक्स, बढ़ती कीमतें आम मुश्किल; उद्योगों का विस्तार व्यावसायिक समूह ज़्यादा मौके चाहते हैं

› सामाजिक-राजनैतिक: गांव में भर्ती; लौटे सिपाही साम्राज्यवादी शोषण देखते हैं; 1917 रूसी क्रांति समाजवादी प्रेरणा फैलाती है

› गांधी: साउथ अफ्रीका सत्याग्रह के बाद 1915 में वापसी; भारत दौरे का साल; चंपारण, खेड़ा, अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918); फिर 1919 रॉलट सत्याग्रह की ओर

उत्तर – WWI ने मुश्किल + औद्योगिक महत्वाकांक्षा + कट्टरपंथी बने सिपाही + रूसी प्रेरणा से जनाधार बनाया; गांधी ने दौरे और लोकल संघर्षों से भरोसा बनाया राष्ट्रीय सत्याग्रह से पहले.

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• 2-3 मार्क्स के सवाल में हमेशा तीन पॉइंट: (1) भारत = जनता (2) अंग्रेज़ी नियंत्रण = बाधा (3) संप्रभुता = राष्ट्रवाद की बुनियाद – परीक्षक को यह चेन पसंद आती है.

• तारीखें और 'क्या-क्यों' साथ याद करो – परीक्षक अक्सर साल + असर दोनों मांगता है; सिर्फ नाम मत लिखो.

• कांग्रेस स्थापना के शॉर्ट नोट में साल, जगह, प्रतिनिधियों की संख्या, 2-3 नेता, और 'ऑल-इंडिया/ऑल-कम्युनिटीज़' दावा ज़रूर लिखो.

• 'मध्यमार्गी कौन थे और उनकी मांगें?' में हमेशा उद्देश्य + तरीके अलग-अलग पैराग्राफ में लिखो – परीक्षक तरीकों पर भी मार्क्स देता है.

• तुलना तालिका बनाओ: मॉडरेट्स बनाम एक्सट्रीमिस्ट्स – उद्देश्य, तरीके, नेता, नारा – 5-मार्क्स के सवालों में पूरे मार्क्स दिलाता है.

• विभाजन के सवाल में हमेशा: आधिकारिक कारण बनाम असली मंशा; स्वदेशी तरीके (बहिष्कार + रचनात्मक) – दोनों पक्ष लिखो.

• टाइमलाइन के सवाल के लिए 1905-1916 के पांच साल एक लाइन में रटो – परीक्षक क्रम गलत होने पर मार्क्स काटता है.

• 'गांधी का आना' सवाल में साउथ अफ्रीका बैकग्राउंड + 1915 वापसी + लोकल आंदोलनों के नाम ज़रूर लिखो; सिर्फ 'अहिंसा' लिखकर मत छोड़ो.

एक नज़र में रिवीज़न

› भारत = जनता; संप्रभुता = बिना बाहरी हस्तक्षेप के स्वतंत्र निर्णय; 1870-80s के organisations ने यही चेतना गहरी की।

› 1878: Arms + Vernacular Press; 1883: Ilbert Bill withdrawn after European opposition exposed British attitude.

› 1885 Bombay, 72 delegates; Naoroji + Hume; Tyabji: Congress = all communities.

› Moderates = more Indian share in rule + economic relief + petition politics; believed British would accept just demands.

› Lal-Bal-Pal; critique of petition politics; Swaraj + self-reliance; Tilak: freedom is my birthright.

› 1905 Partition (Curzon) Swadeshi + boycott + national education; strongest in Bengal; Andhra: Vande Mataram movement.

› League 1906 (Dhaka); Split 1907; Separate electorates 1909; Reunion 1915; Lucknow Pact 1916.

› WWI prices/taxes + industry + soldiers + 1917 Russia; Gandhi 1915 tour Champaran/Kheda/Ahmedabad 1919 mass phase begins.